सुनो जी मेरे बांके बिहारी | by Himanshu-Kamal

नैनो से नैना मिले तो नैन भये है चार
ऐ री सखी इनके नैनन पे तो बार बार बलिहार

नैनो की कटारी मेरे रे जिगर पे मारी
मैं तो घायल कर कर डारी
सुनो रे मेरे बांके बिहारी
सुनो रे मेरे रमण बिहारी

नैनो में कैसा जादू सांवरे मोहन के
रह गई मैं तो वा की जोगन बन के
बनी ब्रज नारी मैं तो लाज की मारी
मोहे सांस देवे है अजगारी
सुनो रे मेरे बांके बिहारी
सुनो रे मेरे रमण बिहारी

मोर मुकुट ने दिल है चुराया
बांकी अदाओं ने अपना बनाया
बिरहा की मारी मैं तो जग से हारी
और जाऊं तो पे बलिहारी
सुनो रे मेरे बांके बिहारी
सुनो रे मेरे रमण बिहारी

मुखड़ा चंद्र सा हिये में समाये
लचकत कमरिया दिल को चुराए
कहे तुमसे ये दासी तुम्हारी
तुम पर जाऊं बलिहारी
सुनो रे मेरे बांके बिहारी
सुनो रे मेरे रमण बिहारी

दास हिमांशु के तुम हो सहारे
दास कमल के नैनन तारे
दास की सदा खिली रहे फुलवारी
तेरे दर पर आएं हर बारी
सुनो रे मेरे बांके बिहारी
सुनो रे मेरे रमण बिहारी

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b8%e0%a5%81%e0%a4%a8%e0%a5%8b-%e0%a4%9c%e0%a5%80-%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a5%87-%e0%a4%ac%e0%a4%be%e0%a4%82%e0%a4%95%e0%a5%87-%e0%a4%ac%e0%a4%bf%e0%a4%b9%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a5%80-by-h-2/